(घ) यदि वापस बुला लिया गया है तो उसके क्या कारण हैं ;

(ङ) क्या सम्बन्धित अधिकारी अपने राजनीतिक सम्बन्धों के कारण नियुक्त किया गया था ; और

(च) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण अडवाणी) : (क) ब्यूरो आफ पब्लिक एन्टरप्राईजिज में कार्यरत इंडियन इकोनोमिक सर्विस के एक अधिकारी को 7–2–77 (अपराह्न) को 'समाचार' में कार्यकारी सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।

(ख) इस नियुक्ति के लिए अधिकारी का चयन 'समाचार' द्वारा किया गया था और यह चयन किस आधार पर किया गया था उसके बारे में सरकार को जानकारी नहीं है। वे लन्दन स्कूल आफ इकोनोमिक्स से अर्थशास्त्र के पी० एच० डी० थे ! उनको ब्यूरो आफ पब्लिक एन्टरप्राईजिज की "लोक उद्योग" पत्रिका का सम्पादक रह चुकने के कारण पत्रकारिता का भी कुछ अनुभव था।

(ग) उस अधिकारी की सेवाएं 11–4–77 को ब्यूरो आफ पब्लिक एंटरप्राईजिज को वापिस सौंप दी गई थी।

(घ) उस अधिकारी को वापिस लेने का निर्णय लिया गया था, क्योंकि कार्यकारी निदेशक के रूप में अधिकारी की नियुक्ति को सरकार द्वारा उपयुक्त नहीं समझा गया था।

(ङ) सरकार को जानकारी नहीं है। 'समाचार' ने उक्त अधिकारी की सेवाएं मांगी थी।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए मध्य प्रदेश को दिया गया अनुदान/ऋण

3953 **श्री श्यामलाल धुर्वे** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार ने गत तीन वर्षों में मध्य प्रदेश सरकार को राज्य में आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए कितना अनुदान और ऋण दिया है ;

(ख) क्या सरकार ने इस बात की जांच की है कि इस राशि को किस प्रकार खर्च किया गया ; और

(ग) यदि हां, तो राज्य सरकार ने इस राशि में से कितनी राशि खर्च की है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मण्डल) : (क) आदिवासी उप-योजना क्षेत्रों के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता के रूप में मध्य प्रदेश सरकार को दिए गए अनुदान इस प्रकार हैं :—

(रुपए लाखों में)

1974–75	57.00
1975–76	506.00
1976–77	1097.00

(ख) जी हां, श्रीमन्।

(ग) गत तीन वर्षों में अनुमानित व्यय इस प्रकार है :—

(रुपए लाखों में)

1974–75	12.01
1975–76	244.87
1976–77	1141.60